יייייייייייייייייייייייייייייייייייייי	सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्व पूषत्रपीवृणु सत्यधमीय दृष्टया।	हिरण्मयन पात्रण सत्यरन्यापिहत मुखम्।	तत्त्व पूषत्रपावृणु सत्यधमाय दृष्टया।	हिरण्मयन पात्रण सत्यस्याापाहत मुखम्। तत्त	व पूषञ्चपावृणु सत्यधमार
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणुं सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुद्भा।	तत्त्वं पूषन्नपावृणुं Journal । 0	f Foundational Rese	arch _y ण सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूर् Çontents त्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मु <mark>ट्</mark> टैम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मु <mark>ख्</mark> म्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मायVolume	XXXI, Special Issue-January 2023	प्रे प्रेवन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	Contributors in this issue तत्यस्यापिहित मुखम् तित्व पूर्षत्रपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मु <mark>ञ</mark> ्जम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	तत् <mark>टिसंगणिह</mark> ितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुन्तुम्।	तत्त्वं पूषत्रपावृण ॒SSN 2395-5635	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं ण्ट्रट-्ट AR	E Indexed सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषे क्रांद्र^{ोकु} सत्यधर्माय दृष्टये ।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्यु।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रे ग ः	त.Understanding Emptiness: A Study in यि दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुह्तें।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	Vigrahavyāvartanii तत्Shakuntala Bora तत्त्व पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुद्धम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेम् ः	An Attempt to Reconcile Two Approaches of Social	हिरण्मयेन पात्रेण _। स्रृत्यस्यापिहितं मु <mark>द</mark> ्नु।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण ः	तत्Epistemology: A Critical Exposition यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुञ्जूम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	. Varbi Roy सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुन्द्रम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्त	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण व	Intentionality and Pre-reflective Self-awareness: A	हिरण्मयेन पात्रेण ²¹ तयस्यापिहितं मु <mark>च</mark> म्।	तत्त्वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	Comparative Study े द्वारा गर्दे सर्वे नाम कुटनान सरShnaoli Seal खम्। तत्त्वं पृषत्रपावण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुझ्मि।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रे4ाः	Reconceptualizing Jaina Ahimsā and Social Ecolog	हित्त्प्रमयेन पात्रेण38त्यस्यापिहितं मू <mark>र्र्</mark> म्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन प्रात्रेण सुवयस्यापिहितं मुखम्। तत्त्	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	Journey Against Anthropocentrism	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मु <mark>श</mark> ्चिम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मArvindi Vikram Singhi मुखम्। तत्त्	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेष्टाः	Madhumita Chatterjee Bhagavadgita and Cognitive Behavioural Therapy:		तत्त्वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रे हतास्त्रा स्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण [;]	तिPhilosophical Study व पुषत्रापावण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्यम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मAnubhav Varshneyत मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	Prashant Mishra and Akshita Bochare	हरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्य	तत्त्वं पूषन्नपावणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	- हिरण्मर Associate Editors तं मुखम्। तत्त्	वं पुषन्नपावण सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	Revisiting Quine's Ontological Relativity: A Philoso	hical हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हरण्मयेManish Sinsinwared मुखम्। तत्त्व	वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	Quest	- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	े <u>Manish Gothwal</u> - २०२२ हिरण्मयेन पत्रिण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेणः	Philosophy as Cultural Politics: An Analysis of Rich	बिर्पमयेन पात्रेण7सत्यस्यापिहितं मुख्या	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेण	Rorty's Neo-pragmatic Method Debosmitha Chakraborty भेषावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुर्खम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मार
ण्मयेन पात्रेष्ठाः	Hart, Rawls, and Dworkin on Justice- Some Reflec	- हिरणमयेन पात्रेण•स्रत्यस्यापिहितं मुख्या	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	Abhishek Kumar Tiwari पुषत्रपावण सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुख्या	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रे9ाः	Science and Art of Healing: Gadamerian Hermeneu	tics कोन पात्रेण96त्यस्यापिहितं मुख्यम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	- हिरण्मयेन पात्रेण सन्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण	Medical Science तत् <mark>Arathi Nair KG</mark> । तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुस्हेंम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन द्रार्थन कर्जुर भिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्मा
ण्मयेन पात्रेण 10		हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुर्द्धम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माः
ण्मयेन पात्रेण र	wittgenstein and Madnyamika's Perspectives on सन्ध्रत्नानुपंत्रहुः मुखम्। तत्त्व पूषत्रापावृणु सत्यधमयि दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुस्ट्रम्।	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मय तः क्वि विद्वारय्व हितं मुखम्। तत्त्व हिरण्मय तः मित्रेण, विद्वारय्य, हितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माः
	तत् 4ांधत् अहेर्तवभु खम्। तत्त्वं पूषेन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।			हिरण्मये 🖌 जेण 🕹 यस् 🎜 हितं मुखम्। तत्त्व	
ण्मयेन पात्रेण	तत्वस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व ^R esearch ^{Note} धर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुर्द्भुम	तत्त्वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पोर्ट्सियज्ञ्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पुषन्नपावृण् सत्यधर्माः
	तत्लोकतंत्र की कुंछ अवधारणात्मक समस्याएं पुरक टिप्पणी यि दृष्टये।।				
	Lokatantra Kī Kuch Avadhāraņātmaka Samasyāein				
ण्मयेन पात्रेण	तत्त्वं पूर्वत्रपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्रये।। Manish Sinsinwar				
	Manish Sinsinwar सत्यस्यापिहित मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुर्स्ट्रेन	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्मार
	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूर्षन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।				
	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।				
ण्मयेन पात्रेण	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखेम	तत्त्वं पूषन्नपावृण् सत्यधर्माय दृष्टये।।	हिरण्मयेन पात्रेण सहास्यापिहितं मुखम्। तत्त्व	व पूषन्नपावृण् सत्यधर्मा
	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।				
	तत्यस्यापिहितं मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।				
	मत्यस्यापिहितं मरवम्। तत्त्वं पषन्नपावण सत्यधर्माय दृष्ट्रये।।				

Journal of Foundational Research

Editorial Board

Abha Singh, Professor, Patliputra University, Patna Ambika Datta Sharma, Professor, Harisingh Gour University, Sagar Asha Mukherjee, Ex-Professor, Visva-bharati, Shantiniketan Ashok Vohra, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Balaganapathi Devarakonda, Professor, University of Delhi, New Delhi Daniel Raveh, Professor, Tel Aviv University, Tel Aviv, Israel Dilipkumar Mohanta, Professor, Calcutta University, Kolkata H. S. Prasad, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Indoo Pandey Khanduri, Professor, HNB Garhwal University, Srinagar Jatashankar, Ex-Professor, University of Allahabad, Prayagraj J. L. Shaw, Ex-Professor, Victoria University, Wellington, New Zealand P. K. Mukhopadhyay, Ex-Professor, Jadavpur University, Kolkata P. P. Gokhale, Ex-Professor, SP Pune University, Pune P. R. Bhat, Ex-Professor, IIT Bombay, Mumbai Raghunath Ghosh, Ex-Professor, North Bengal University, Darjeeling Rajaneesh Shukla, Vice Chancellor, MGA Hindi Vishwavidyalaya, Wardha Ramesh Chandra Sinha, Ex-Chairperson ICPR, New Delhi S. Pannerselvam, Ex-Professor, University of Madras, Chennai

Sachchidanand Mishra, Member-Secretary ICPR, New Delhi Founder Editor

Biswambhar Pahi, Late Ex-Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Chief Editor**

Arvind Vikram Singh, Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Editor**

Anubhav Varshney, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Associate Editors

Manish Sinsinwar, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Manish Gothwal, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur

The *Journal of Foundational Research* is published biannually, in January and July by the Department of Philosophy, University of Rajasthan, Jaipur-302004, Rajasthan, India.

No paper in this Journal or any part of it may be reproduced, without the publisher's written permission. The present issue was published in January 2023, with partial financial assistance from University of Rajasthan.

Submission of manuscripts

Submissions to the *Journal of Foundational Research* must be made through online submission link available at: www.unirajphilosophy.ac.in or at editorjfruniraj@gmail.com

Instructions for contributors can be found at the aforementioned website and at the back of this issue.

Price: INR 150 (Individual) INR 300 (Institution)

Printed by: Technocrat Printers Pvt. Ltd., Jaipur

a.	Language:	The paper could be in either English or Hindi or Samskrta.
b.		The paper must not have been previously published elsewhere, nor should it be under-consideration or under-publication in another journal. The authors are requested to undertake a plagiarism check before submission. If the paper has been adapted from one's own doctoral or post-doctoral work, the same must be duly acknowledged. In case of any discrepancy of the sort pertaining to this and/or any other guideline, the legal onus shall lie entirely with the author.
c.	Review of submissions:	Submitted paper shall undergo double blind review and published subsequent to referee reports.
d.	Blinded Manuscript:	The paper must be submitted anonymously to enable blind review, following the submission link available on the journal's website. The manuscript must not bear name or other identities of the author(s). The name, institutional affiliation, mail-address for correspondence, may be submitted in a separate document, i.e., the title page.
e.	Abstract and Keywords:	An abstract of around 150 words and 3-8 keywords must be added at the beginning of the main text.
f.	Main Text:	Kindly use end-noting. Notes and references must follow the same style as the remaining of the manuscript. Kindly avoid lengthy end-notes, keeping the same to a minimum.
g.	Referencing:	MLA or Chicago style may kindly be preferred.
h.	Font style:	For English, kindly follow Cambria or Times New Roman, font size 12, 1.5 spacing. For Hindi, Kruti Dev font style is preferred.
i.	Interdisciplinary Papers	: Only such interdisciplinary papers shall be considered which have to do primarily with philosophy or unravel a fresh intersection of another discipline with philosophy. Contributors making interdisciplinary submissions must avoid jargon and nuances of other disciplines.
j.	Length of paper:	Normally papers (inclusive of notes and references) exceeding 10,000 words shall not be accepted.
k.	After Review:	The authors will be communicated changes if any and given a time period of not more than five days to make the moderations.
1.	After Acceptance:	The authors will be intimated and may be mailed a paper-set soft copy of manuscript for proof reading. The same must be done within five days. Only minor changes shall be entertained at this stage.
m.	Author's copy:	Contributing authors shall receive for free a soft-copy and a hard copy of the issue incorporating their paper.

Research Notes and Comments: The journal welcomes brief research notes and comments upon research articles published in it. Such comments will be open for rejoinders by the original author. Normally, no more than two round of comments and rejoinders will be allowed. Such comments and rejoinders must be brief and must not exceed 1000 words. Set of instructions and procedure for publication of notes and comments/rejoinders is same as that for full-fledged articles.

Request to Authors: The authors are requested to bear in mind that it may take over a year for a final decision on their submission. As such, the authors are sincerely requested not to make any inquiries on their submission before a year.

Journal Submission, Subscription and Enquiry

Submission Link:

Blind manuscript, along with a separate title page may be mailed for consideration to editorjfruniraj@gmail.com

Subscription Fee:

Subscription Type	Individual	Institution
Single Issue	INR 150/-	INR 300/-
Annual	INR 300/-	INR 600/-
Seven Years	INR 2000/-	INR 4000/-

Subscription Form may be downloaded from the Download section of the journal's website. Duly filled forms may be mailed at editorjfruniraj@gmail.com or hodphilosophyuniraj@gmail.com or sent to the Head, Department of Philosophy, University of Rajasthan, Jaipur-302004, through post.

Payment Mode- NEFT of the requisite amount may be made in favour of "Seminar and Students Fund, Department of Philosophy, University of Rajasthan Jaipur", A/C No.-

674701702067, IFSC-ICIC0006747,ICICI Bank, Bapu Nagar Branch, Jaipur. NEFT details must be mentioned in the form.

Contributors shall get a hard-copy of the issue consisting of their paper, for free.

Contact the Journal:

For submission or publication related inquiries mails be sent

to hodphilosophyuniraj@gmail.com or editorjfruniraj@gmail.com

Journal's website : www.unirajphilosophy.ac.in

Journal of Foundational Research

Volume XXXI, Special Issue-January 2023

ISSN 2395-5635

UGC-CARE Indexed

Chief Editor Arvind Vikram Singh Editor Anubhav Varshney Associate Editors Manish Sinsinwar Manish Gothwal



Department of Philosophy University of Rajasthan, Jaipur 2023

Journal of Foundational Research

Editorial Board

Abha Singh, Professor, Patliputra University, Patna Ambika Datta Sharma, Professor, Harisingh Gour University, Sagar Asha Mukherjee, Ex-Professor, Visva-bharati, Shantiniketan Ashok Vohra, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Balaganapathi Devarakonda, Professor, University of Delhi, New Delhi Daniel Raveh, Professor, Tel Aviv University, Tel Aviv, Israel Dilipkumar Mohanta, Professor, Calcutta University, Kolkata H. S. Prasad, Ex-Professor, University of Delhi, New Delhi Indoo Pandey Khanduri, Professor, HNB Garhwal University, Srinagar Jatashankar, Ex-Professor, University of Allahabad, Prayagraj J. L. Shaw, Ex-Professor, Victoria University, Wellington, New Zealand P. K. Mukhopadhyay, Ex-Professor, Jadavpur University, Kolkata P. P. Gokhale, Ex-Professor, SP Pune University, Pune P. R. Bhat, Ex-Professor, IIT Bombay, Mumbai Raghunath Ghosh, Ex-Professor, North Bengal University, Darjeeling Rajaneesh Shukla, Vice Chancellor, MGA Hindi Vishwavidyalaya, Wardha Ramesh Chandra Sinha, Ex-Chairperson ICPR, New Delhi S. Pannerselvam, Ex-Professor, University of Madras, Chennai Sachchidanand Mishra, Member-Secretary ICPR, New Delhi

Founder Editor

Biswambhar Pahi, Late Ex-Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Chief Editor**

Arvind Vikram Singh, Professor, University of Rajasthan, Jaipur **Editor**

Anubhav Varshney, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Associate Editors

Manish Sinsinwar, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur Manish Gothwal, Assistant Professor, University of Rajasthan, Jaipur

The *Journal of Foundational Research* is published biannually, in January and July by the Department of Philosophy, University of Rajasthan, Jaipur-302004, Rajasthan, India.

No paper in this Journal or any part of it may be reproduced, without the publisher's written permission. The present issue was published in January 2023, with partial financial assistance from University of Rajasthan.

Submission of manuscripts

Submissions to the *Journal of Foundational Research* must be made through online submission link available at: www.unirajphilosophy.ac.in or at editorjfruniraj@gmail.com

Instructions for contributors can be found at the aforementioned website and at the back of this issue.

Price: INR 150 (Individual) INR 300 (Institution)

Printed by: Technocrat Printers Pvt. Ltd., Jaipur

Contents

	Contributors in this issue		
	Editorial	v	
	Articles		
1.	Understanding Emptiness: A Study in <i>Vigrahavyāvartanī</i> Shakuntala Bora	1	
2.	An Attempt to Reconcile Two Approaches of Social Epistemology: A Critical Exposition Varbi Roy		
3.	Intentionality and Pre-reflective Self-awareness: A Comparative Study Shnaoli Seal	21	
4.	Reconceptualizing Jaina <i>Ahiṁsā</i> and Social Ecology – A Journey Against Anthropocentrism Madhumita Chatterjee		
5.	<i>Bhagavadgītā</i> and Cognitive Behavioural Therapy: A Philosophical Study Prashant Mishra and Akshita Bochare		
6.	Revisiting Quine's Ontological Relativity: A Philosophical Quest Niranjan Adhikary	63	
7.	Philosophy as Cultural Politics: An Analysis of Richard Rorty's Neo-pragmatic Method Debosmitha Chakraborty	77	
8.	Hart, Rawls, and Dworkin on Justice- Some Reflections Abhishek Kumar Tiwari	86	
9.	Science and Art of Healing: Gadamerian Hermeneutics on Medical Science Arathi Nair KG		
10.	Wittgenstein and Mādhyamika's Perspectives on Language Ajita Yadav	106	
	Research Note		
11.	लोकतंत्र की कुछ अवधारणात्मक समस्याएं – एक टिप्पणी	115	
	Lokatantra Kī Kuch Avadhāraņātmaka Samasyāein- Ek Tippaņī Manish Sinsinwar		

Shakuntala Bora Associate Professor Department of Philosophy Gauhati University, Guwahati

Varbi Roy Associate Professor Department of Philosophy Scottish Church College University of Calcutta, Kolkata

Shnaoli Seal Assistant Professor Department of Philosophy Bangabasi Evening College University of Calcutta, Kolkata

Madhumita Chatterjee Assistant Professor Department of Philosophy Maulana Azad College, Kolkata

Prashant Mishra Associate Professor AIBAS Amity University, Jaipur

Akshita Bochare National Forensic University, Ahmedabad

Niranjan Adhikary Assistant Professor Department of Philosophy Seth Soorajmull Jalan Girls College University of Calcutta, Kolkata

> Debosmitha Chakraborty Department of Philosophy Assam University, Silchar

Abhishek Kumar Tiwari Associate Professor Faculty of Law, University of Lucknow, Lucknow

> Arathi Nair KG Department of Philosophy Maharaja's College, Ernakulam

Ajita Yadav Department of Philosophy University of Lucknow, Lucknow

Manish Sinsinwar Assistant Professor Department of Philosophy University of Rajasthan, Jaipur